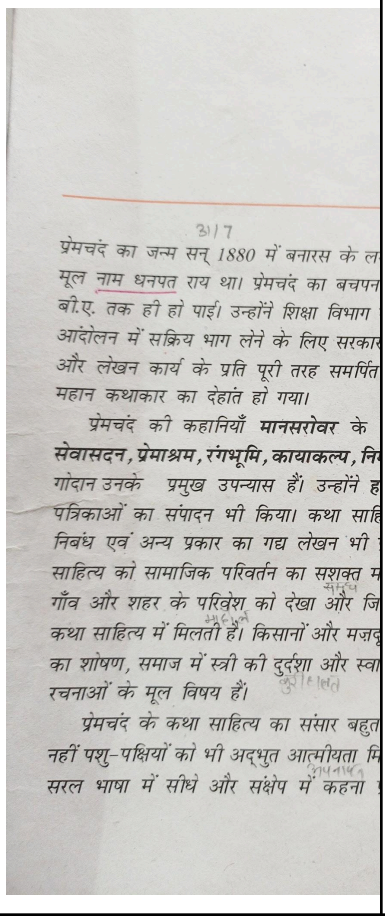
Teacher's Name - C. Patel
Class - 9th
Section - Tulip
Subject - Hindi

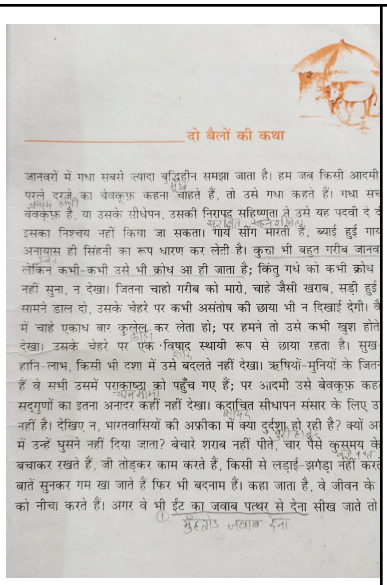
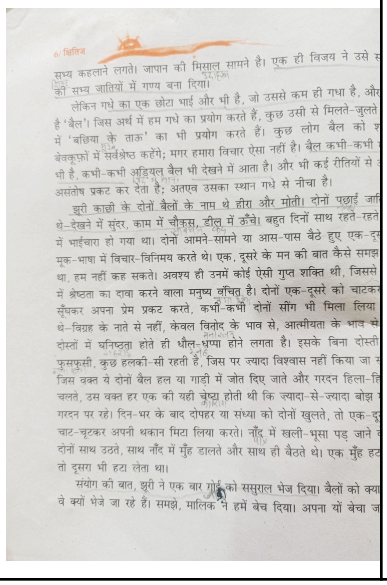
S. N.	Date	Lesson No. & Name	Classwork	Homework
1	2.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा		1. प्रेमचंद का जीवन परिचय याद करें। 2. जानवरों में सबसे बुद्धिहीन किसे समझा जाता है?

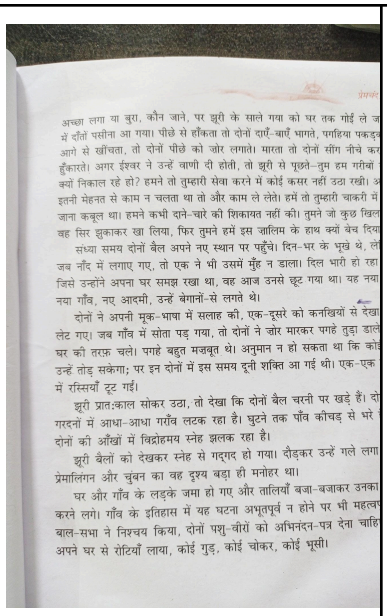
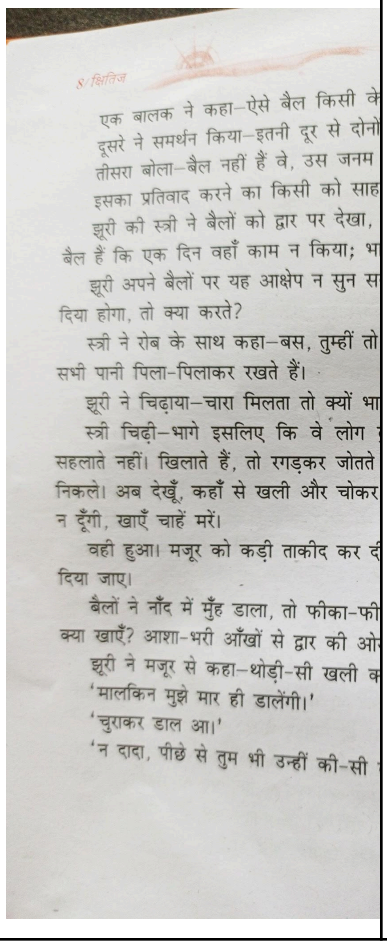
3/7

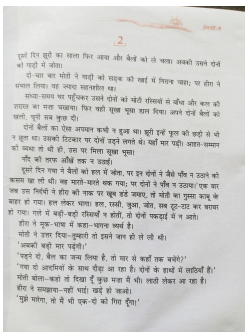
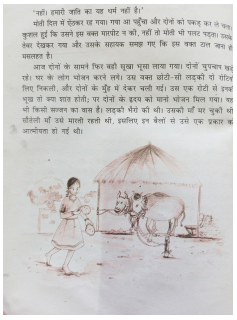
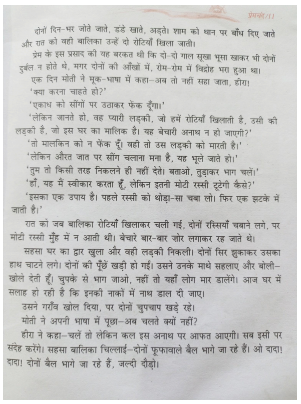
प्रेमचंद का जन्म सन् 1880 में बनारस के ल
मूल नाम धनपत राय था। प्रेमचंद का बचपन
बी.ए. तक ही हो पाई। उन्होंने शिक्षा विभाग
आंदोलन में सक्रिय भाग लेने के लिए सरकार
और लेखन कार्य के प्रति पूरी तरह समर्पित
महान कथाकार का देहांत हो गया।

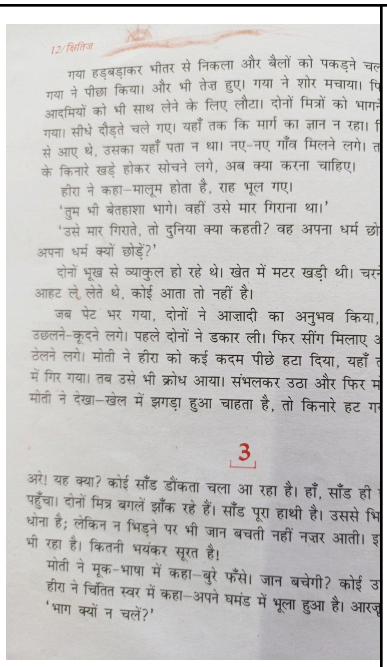
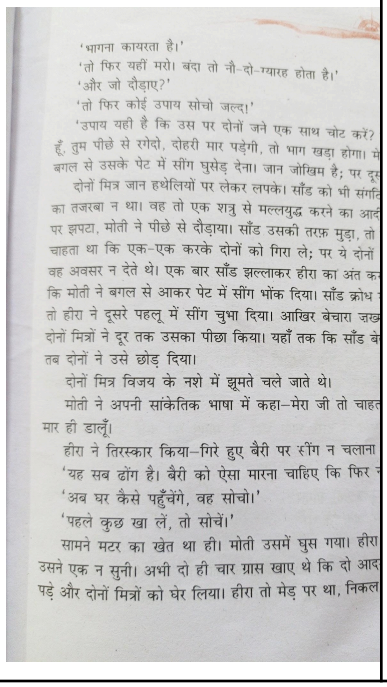
प्रेमचंद की कहानियाँ **मानसरोवर** के
सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कायाकल्प, नि
गोदान उनके प्रमुख उपन्यास हैं। उन्होंने ह
पत्रिकाओं का संपादन भी किया। कथा साहि
निबंध एवं अन्य प्रकार का गद्य लेखन भी
साहित्य को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त म
गाँव और शहर के परिवेश को देखा और जि
कथा साहित्य में मिलती हैं। किसानों और मजदू
का शोषण, समाज में स्त्री की दुर्दशा और स्वा
रचनाओं के मूल विषय हैं।

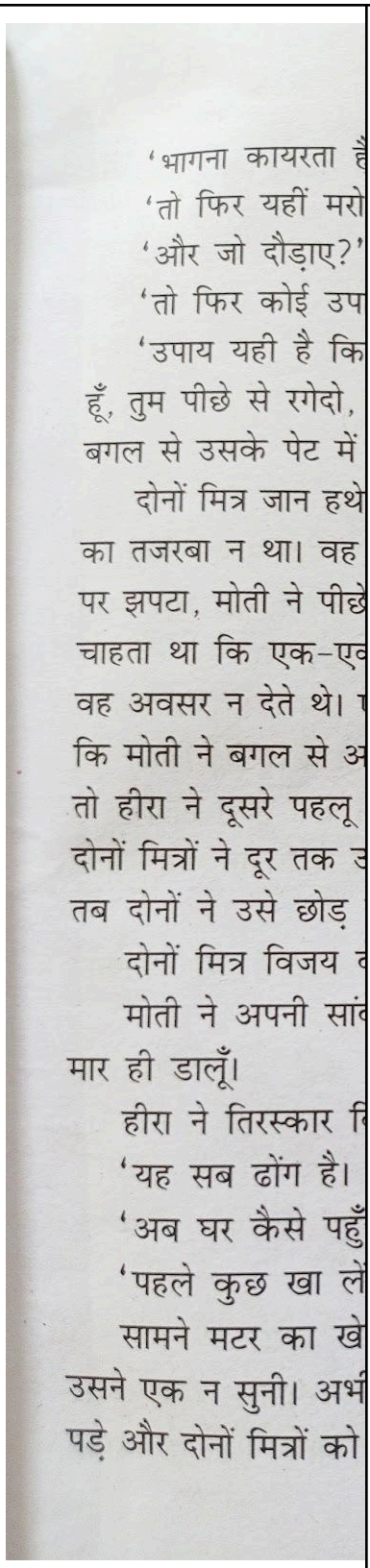
प्रेमचंद के कथा साहित्य का संसार बहुत
नहीं पशु-पक्षियों को भी अद्भुत आत्मीयता मि
सरल भाषा में सीधे और संक्षेप में कहना

			 दो बैलों की कथा जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी परले दरजे का बेवकूफ़ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सच बेवकूफ़ है, या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती हैं। कुत्ता भी बहुत गरीब जानव लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है; किंतु गधे को कभी क्रोध नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी। वे में चाहे एकाध बार कुलेल कर लेता हो; पर हमने तो उसे कभी खुश होते देखा। उसके चेहरे पर एक विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख हानि-लाभ, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा। ऋषियों-मुनियों के जितने हैं वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं; पर आदमी उसे बेवकूफ़ कहता सद्गुणों का इतना अनादर कहीं नहीं देखा। कदाचित सीधापन संसार के लिए उ नहीं है। देखिए न, भारतवासियों की अफ़ीका में क्या दुर्दशा हो रही है? क्यों अ में उन्हें घुसने नहीं दिया जाता? बेचारे शराब नहीं पीते, चार पैसे कुसमय के बचाकर रखते हैं, जी तोड़कर काम करते हैं, किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करते बातें सुनकर गम खा जाते हैं फिर भी बदनाम हैं। कहा जाता है, वे जीवन के को नीचा करते हैं। अगर वे भी ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते तो	
2	3.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	 ६ खिलिज सभ्य कहलाने लगते। जापान की मिसाल सामने है। एक ही विजय ने उसे स की सभ्य जातियों में गण्य बना दिया। लेकिन गधे का एक छोटा भाई और भी है, जो उससे कम ही गधा है, और है 'बैल'। जिस अर्थ में हम गधे का प्रयोग करते हैं, कुछ उसी से मिलते-जुलते में 'बछिया के ताऊ' का भी प्रयोग करते हैं। कुछ लोग बैल को इ बेवकूफ़ों में सर्वश्रेष्ठ कहेंगे; मगर हमारा विचार ऐसा नहीं है। बैल कभी-कभी भी है, कभी-कभी अड़ियल बैल भी देखने में आता है। और भी कई रीतियों से असंतोष प्रकट कर देता है; अतएव उसका स्थान गधे से नीचा है। झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे हीरा और मोती। दोनों पछाईं जा थे—देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दू मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक, दूसरे के मन की बात कैसे समझ था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया थे—विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती फुसफुसी, कुछ हलकी-सी रहती है, जिस पर ज्यादा विश्वास नहीं किया जा स जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गरदन हिला-हि चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज्यादा-से-ज्यादा बोझ गरदन पर रहे। दिन-भर के बाद दोपहर या संध्या को दोनों खुलते, तो एक-दू चाट-चूटकर अपनी थकान मिटा लिया करते। नाँद में खली-भूसा पड़ जाने दोनों साथ उठते, साथ नाँद में मुँह डालते और साथ ही बैठते थे। एक मुँह हटा तो दूसरा भी हटा लेता था। संयोग की बात, झूरी ने एक बार गोई को ससुराल भेज दिया। बैलों को क्या वे क्यों भेजे जा रहे हैं। समझे, मालिक ने हमें बेच दिया। अपना यों बेचा ज	1.गधे को बुद्धि हैं क्यों माना जाता है? 2. गधे तथा ऋषि मुनियों में क्या समानता देखी गई है?

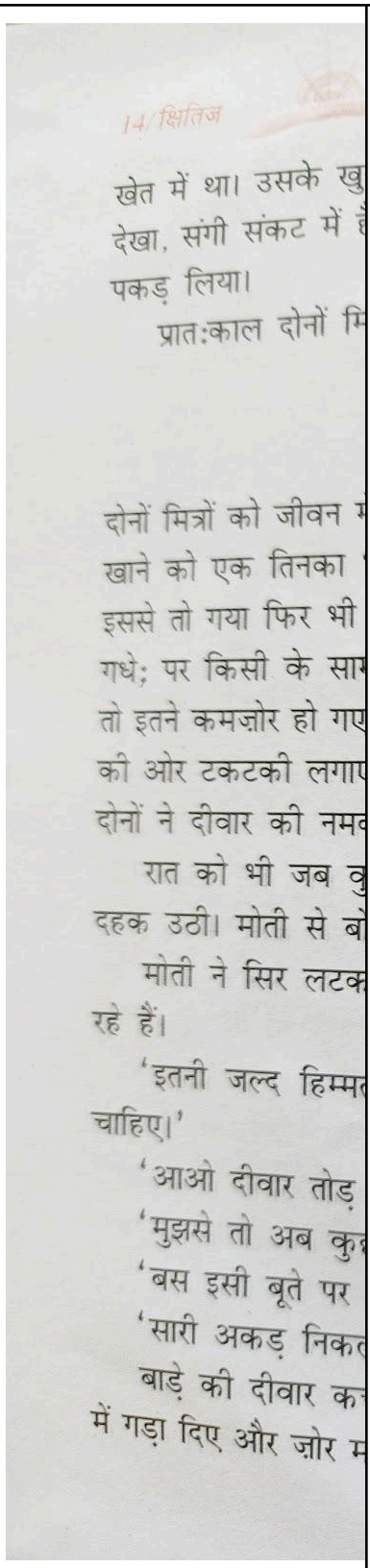
3	4.3.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	 	1.भारतवासियों को अमेरिका में क्यों घुसने नहीं दिया जाता है? 2.बैल को गधा का छोटा भाई क्यों माना जाता है?

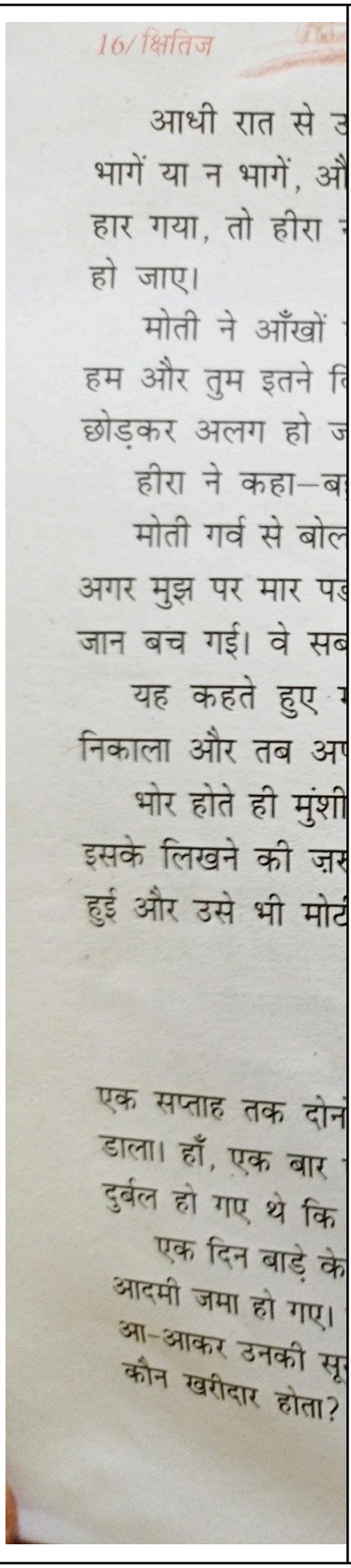
4	5.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा		1. हीरा और मोती के प्रेम प्रकट करने के तरीके पर प्रकाश डालिए। 2. यदि ईश्वर ने बैलों को वाणी दी होती तो वे झूरी से क्या पूछते?
5	7.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	Art & craft class	1. हीरा और मोती के प्रेम प्रकट करने के तरीके पर प्रकाश डालिए। 2. यदि ईश्वर ने बैलों को वाणी दी होती तो वे झूरी से क्या पूछते?

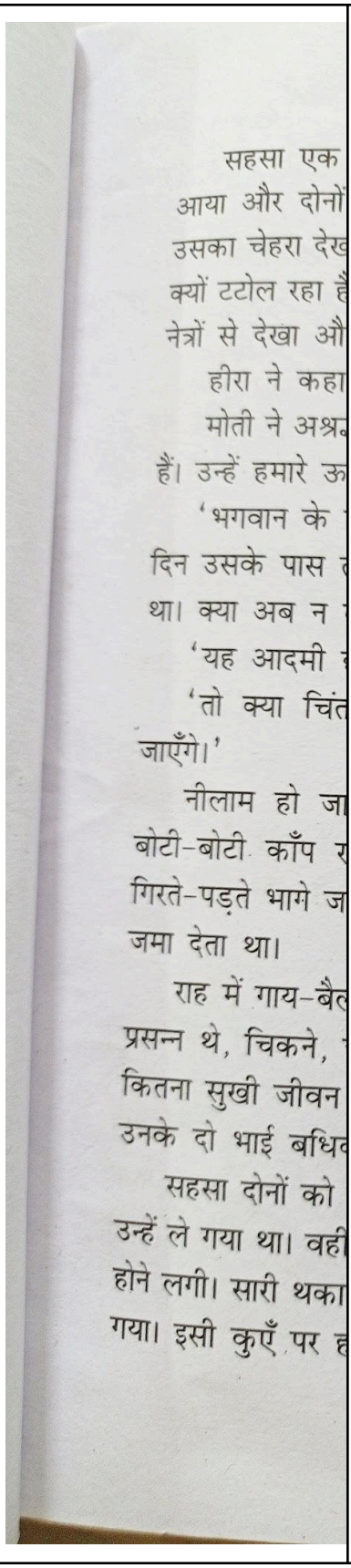
6	8.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	12/ क्षितिज गया हड़बड़ाकर भीतर से निकला और बैलों को पकड़ने चल गया ने पीछा किया। और भी तेज़ हुए। गया ने शोर मचाया। फि आदमियों को भी साथ लेने के लिए लौटा। दोनों मित्रों को भाग गया। सीधे दौड़ते चले गए। यहाँ तक कि मार्ग का ज्ञान न रहा। फि से आए थे, उसका यहाँ पता न था। नए-नए गाँव मिलने लगे। त के किनारे खड़े होकर सोचने लगे, अब क्या करना चाहिए। हीरा ने कहा–मालूम होता है, राह भूल गए। 'तुम भी बेतहाशा भागे। वहीं उसे मार गिराना था।' 'उसे मार गिराते, तो दुनिया क्या कहती? वह अपना धर्म छो अपना धर्म क्यों छोड़ें?' दोनों भूख से व्याकुल हो रहे थे। खेत में मटर खड़ी थी। चरन आहट ले लेते थे, कोई आता तो नहीं है। जब पेट भर गया, दोनों ने आज़ादी का अनुभव किया, उछलने-कूदने लगे। पहले दोनों ने डकार ली। फिर सींग मिलाए अ ठेलने लगे। मोती ने हीरा को कई कदम पीछे हटा दिया, यहाँ त में गिर गया। तब उसे भी क्रोध आया। संभलकर उठा और फिर म मोती ने देखा–खेल में झगड़ा हुआ चाहता है, तो किनारे हट गय 3 अरे! यह क्या? कोई साँड डौंकता चला आ रहा है। हाँ, साँड ही पहुँचा। दोनों मित्र बगलें झाँक रहे हैं। साँड पूरा हाथी है। उससे भि थोना है; लेकिन न भिड़ने पर भी जान बचती नहीं नज़र आती। इ भी रहा है। कितनी भयंकर सूरत है! मोती ने मूक-भाषा में कहा–बुरे फँसे। जान बचेगी? कोई उ हीरा ने चिंतित स्वर में कहा–अपने घमंड में भूला हुआ है। आरज़ू 'भाग क्यों न चलें?'	1.बैलों को ले जाते समय गया को किस प्रकार की कठिनाई का सामना करना पड़ा? 2. बैलों का नाँद में मुँह न डालने का कारण बताइए।
				

7	9.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा		1.छोटी लड़की का बालों से अपनापन होने का कारण बताइए। 2. पकड़े जाने पर भी गया बालों को पीट न सका, क्यों?

'भागना कायरता है
'तो फिर यहीं मरो
'और जो दौड़ाए?'
'तो फिर कोई उप
'उपाय यही है कि
हूँ, तुम पीछे से रगेदो,
बगल से उसके पेट में
दोनों मित्र जान हथे
का तजरबा न था। वह
पर झपटा, मोती ने पीछे
चाहता था कि एक-एव
वह अवसर न देते थे।
कि मोती ने बगल से अ
तो हीरा ने दूसरे पहलू
दोनों मित्रों ने दूर तक उ
तब दोनों ने उसे छोड़
दोनों मित्र विजय
मोती ने अपनी सां
मार ही डालूँ।
हीरा ने तिरस्कार
'यह सब ढोंग है।
'अब घर कैसे पहुँ
'पहले कुछ खा ले
सामने मटर का खे
उसने एक न सुनी। अभ
पड़े और दोनों मित्रों को

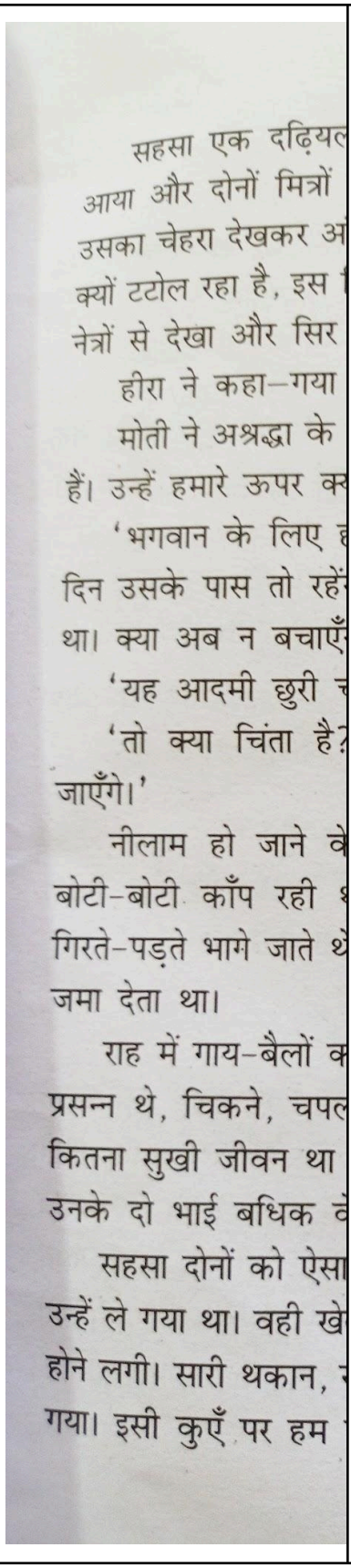
			14/ क्षितिज खेत में था। उसके खु देखा, संगी संकट में है पकड़ लिया। प्रात:काल दोनों मि दोनों मित्रों को जीवन म खाने को एक तिनका इससे तो गया फिर भी गधे; पर किसी के साथ तो इतने कमज़ोर हो गए की ओर टकटकी लगाए दोनों ने दीवार की नमक रात को भी जब कु दहक उठी। मोती से बो मोती ने सिर लटक रहे हैं। 'इतनी जल्द हिम्मत चाहिए।' 'आओ दीवार तोड़ 'मुझसे तो अब कुछ 'बस इसी बूते पर 'सारी अकड़ निकल बाड़े की दीवार क में गड़ा दिए और ज़ोर म	

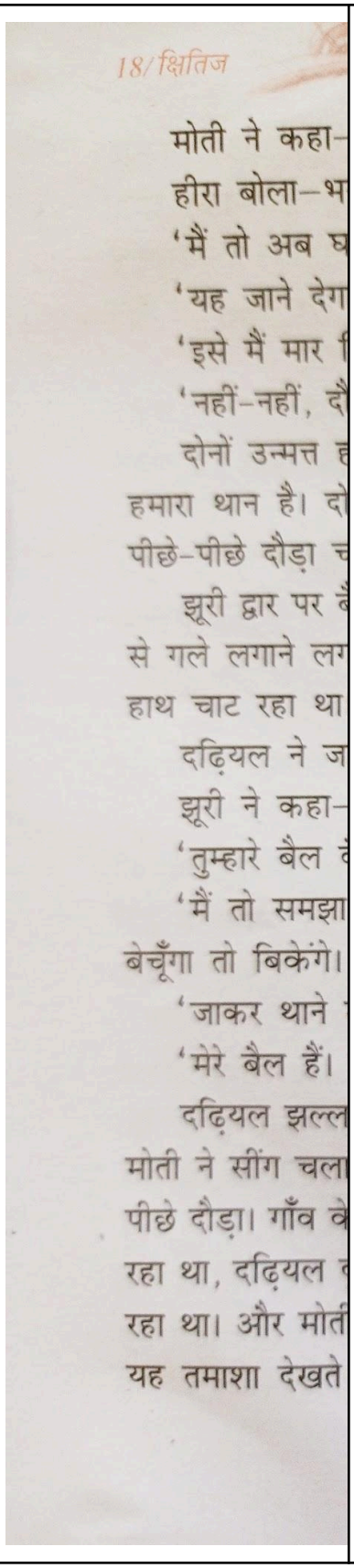
8	11.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा		1. हीरा और मोती ने किस लिए जान की परवाह नहीं की? 2. कांजीहौस में बैलों की अवस्था का चित्रण कीजिए।

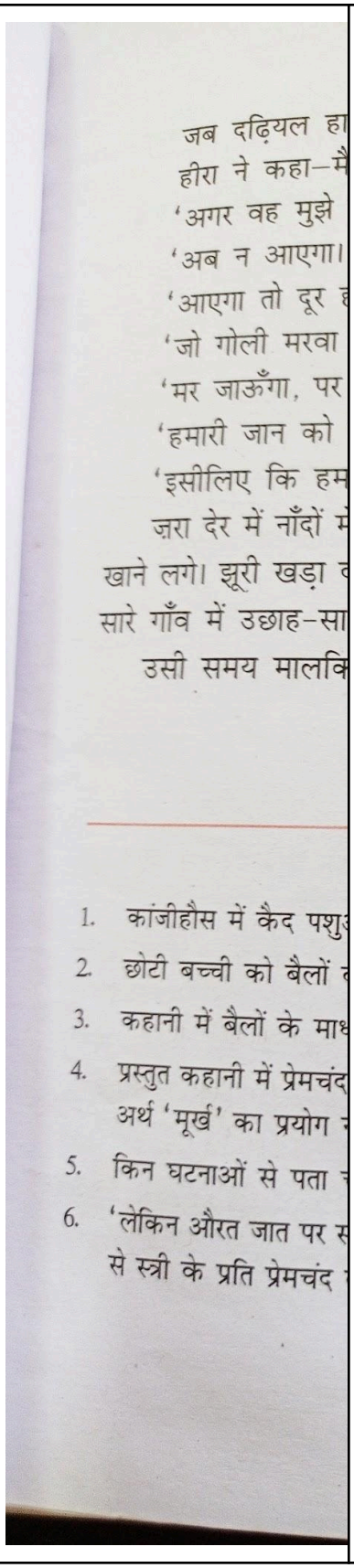
				

सहसा एक
आया और दोनों
उसका चेहरा देख
क्यों टटोल रहा है
नेत्रों से देखा औ
हीरा ने कहा
मोती ने अश्रु
हैं। उन्हें हमारे ऊ
'भगवान के
दिन उसके पास
था। क्या अब न
'यह आदमी
'तो क्या चिंत
जाएँगे।'
नीलाम हो जा
बोटी-बोटी काँप र
गिरते-पड़ते भागे ज
जमा देता था।
राह में गाय-बैल
प्रसन्न थे, चिकने,
कितना सुखी जीवन
उनके दो भाई बधि
सहसा दोनों को
उन्हें ले गया था। वही
होने लगी। सारी थका
गया। इसी कुएँ पर ह

9	12.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	Dance class	1. हीरा और मोती ने किस लिए जान की परवाह नहीं की? 2. कांजीहौस में बैलों की अवस्था का चित्रण कीजिए।

10	15.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	 सहसा एक दढ़ियल आया और दोनों मित्रों उसका चेहरा देखकर अ क्यों टटोल रहा है, इस नेत्रों से देखा और सिर हीरा ने कहा–गया मोती ने अश्रद्धा के हैं। उन्हें हमारे ऊपर क 'भगवान के लिए दिन उसके पास तो रहें था। क्या अब न बचाएँ 'यह आदमी छुरी 'तो क्या चिंता है? जाएँगे।' नीलाम हो जाने वे बोटी-बोटी काँप रही गिरते-पड़ते भागे जाते थे जमा देता था। राह में गाय-बैलों क प्रसन्न थे, चिकने, चपल कितना सुखी जीवन था उनके दो भाई बधिक वे सहसा दोनों को ऐसा उन्हें ले गया था। वही खे होने लगी। सारी थकान, गया। इसी कुएँ पर हम	1.दोनों बैलों के दढियल के साथ जाने की स्थिति का वर्णन कीजिए। 2.बैलों को किनका जीवन अधिक सुखमय लगा?

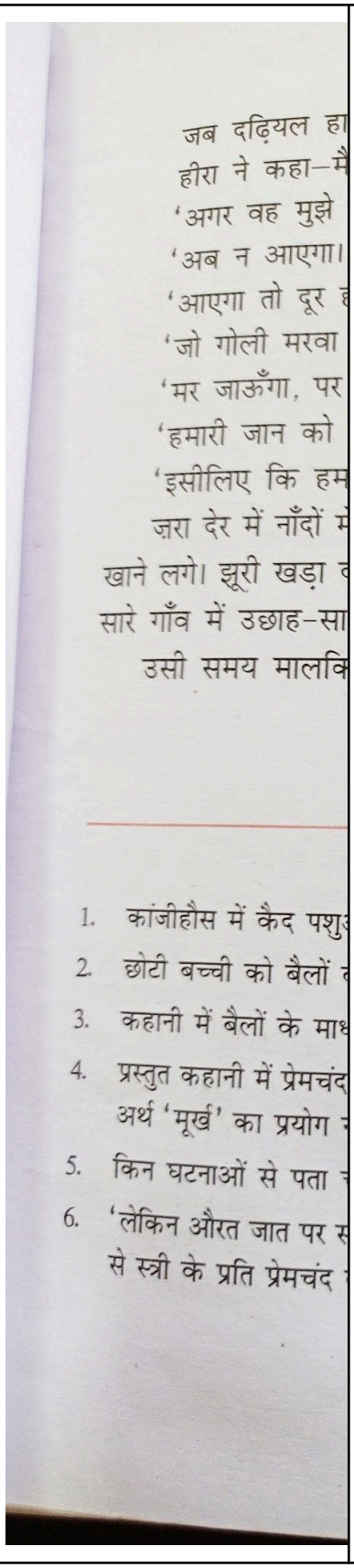
			 मोती ने कहा- हीरा बोला–भ 'मैं तो अब घ 'यह जाने देग 'इसे मैं मार 'नहीं-नहीं, दौ दोनों उन्मत्त ह हमारा थान है। दो पीछे-पीछे दौड़ा च झूरी द्वार पर बै से गले लगाने लग हाथ चाट रहा था दढ़ियल ने ज झूरी ने कहा- 'तुम्हारे बैल क 'मैं तो समझा बेचूँगा तो बिकेंगे। 'जाकर थाने 'मेरे बैल हैं। दढ़ियल झल्ल मोती ने सींग चला पीछे दौड़ा। गाँव के रहा था, दढ़ियल क रहा था। और मोती यह तमाशा देखते	

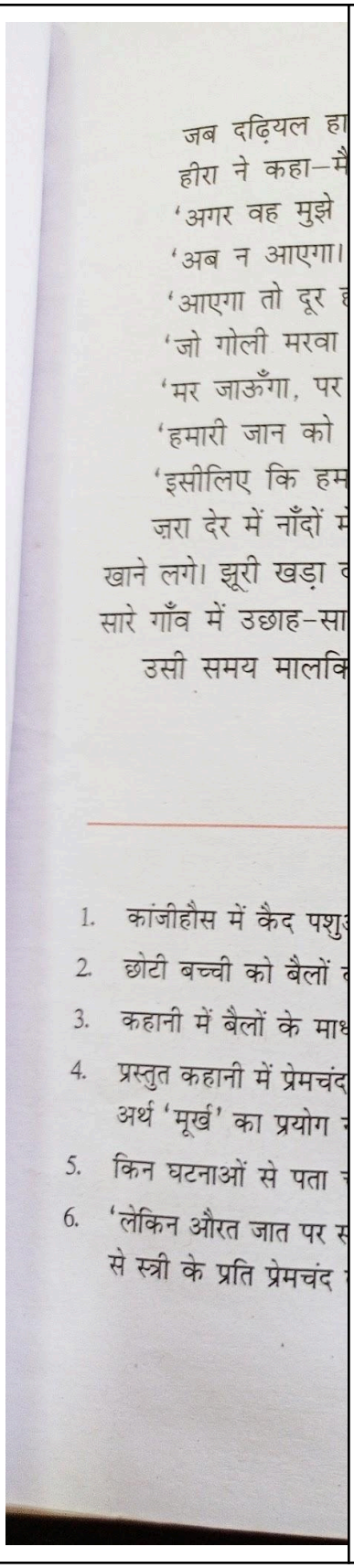
जब दढ़ियल हा
हीरा ने कहा–मै
'अगर वह मुझे
'अब न आएगा।
'आएगा तो दूर
'जो गोली मरवा
'मर जाऊँगा, पर
'हमारी जान को
'इसीलिए कि हम
ज़रा देर में नाँदों म
खाने लगे। झूरी खड़ा
सारे गाँव में उछाह-सा
उसी समय मालकि

---

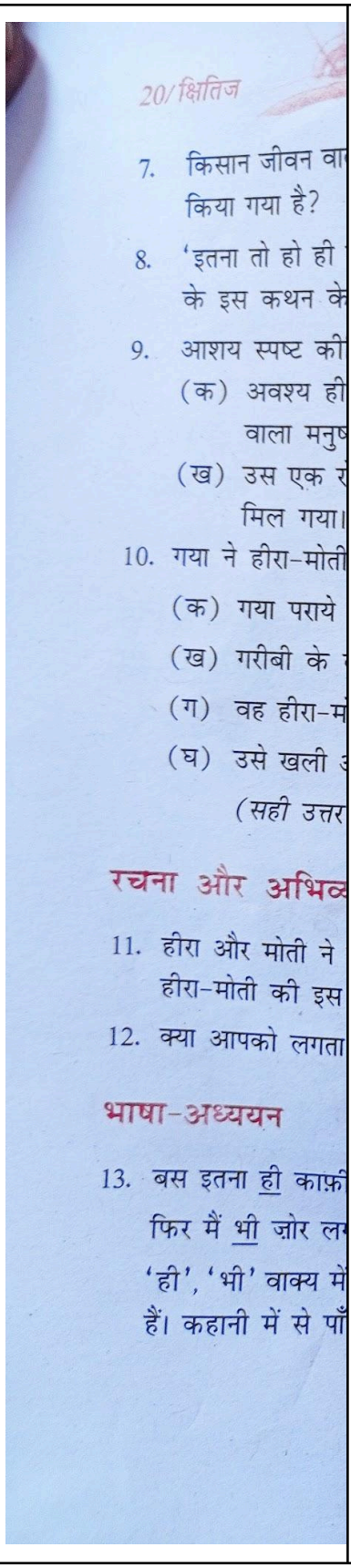
1. कांजीहौस में कैद पशु
2. छोटी बच्ची को बैलों
3. कहानी में बैलों के माध
4. प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद
   अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग
5. किन घटनाओं से पता
6. 'लेकिन औरत जात पर स
   से स्त्री के प्रति प्रेमचंद

11	16.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा		1. कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी? 2. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

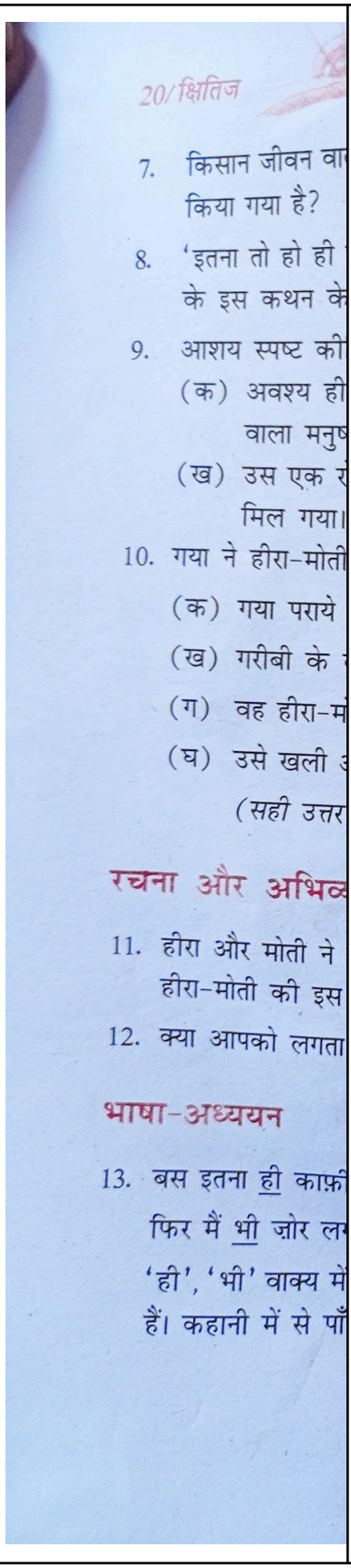
			प्रश्न अभ्यास- 1,2,3	

12	17.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा		1.कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभर कर आए हैं? 2.कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख ' प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

			प्रश्न अभ्यास- 4,5,6	
13	19.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	पाठ से संबंधित वीडियो दिखाया गया।	1. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी? 2. पाठ में से पाँच मुहावरे छाँटकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

14	21.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा		1.लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।'-हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। 2.किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

15	22.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	Dance, Music, Art & craft	1.लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।'-हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। 2.किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

16	23.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा		1.इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे'-मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए। 2.आशय स्पष्ट कीजिए (क) अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

17	24.4.25	पाठ 1 दो बैलों की कथा	कहानी लेखन प्रतियोगिता	1.हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही। हीरा-मोती की इस प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रकट करें। 2.क्या आपको लगता है कि यह कहानी आजादी की लड़ाई की ओर भी संकेत करती है?